Regarding providing of reading room and library

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले **(भन्डारा-गोंदिया) :** सभापति महोदय, हम जानते हैं कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है, लेकिन देश के अनेक गांवों में पढ़ने के लिए संसाधन नहीं हैं । कई छात्र आर्थिक तंगी और उचित अध्ययन के वातावरण के अभाव में अपनी पूरी क्षमता से नहीं पढ़ पाते हैं । प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए किताबें और रीडिंग स्पेस की कमी के कारण उनको काफी दिक्कतें होती हैं । इससे उनका बहुत ही नुकसान होता है ।

महोदय, मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि हर गांव में रीडिंग रूम और लाइब्रेरी स्थापित की जाए । वहां अध्ययन का वातावरण ऐसा बनाया जाए कि स्कूली बच्चों के साथ-साथ यूपीएससी, राज्य लोक सेवा आयोग, बैंकिंग, रेलवे और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में उनको सुविधा मिल जाए ।